Literacy for a Billion

Movie: Dil Apna Aur Preet Parai
Year: 1960

Song: Ajeeb Dastan Hai Ye
Lyricist: Shailendra

अजीब दास्ताँ है ये
कहाँ शुरू कहाँ ख़तम
ये मंज़िलें हैं कौन सीं
ना वो समझ सके ना हम

ये रौशनी के साथ क्यों
धुआँ उठा चिराग़ से

ये ख़्वाब देखती हूँ मैं
कि जग पड़ी हूँ ख़्वाब से

मुबारकें तुम्हें कि तुम
किसीके नूर हो गए
किसीके इतने पास हो
कि सब से दूर हो गए

किसीका प्यार लेके तुम
नया जहाँ बसाओगे
ये शाम जब भी आएगी
तुम हमको याद आओगे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.